भारतीय लेखन में प्रतिमान है जागरण हिंदी बेस्टसेलर : कुमुद शर्मा

बेस्टसेलर सूची जारी करते दैनिक जागरण के कार्यकारी संपादक विष्णु प्रकाश त्रिपाठी, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की निदेशक प्रोफेसर कुमुद शर्मा, वरिष्ठ लेखिका और स्तंभकार क्षमा शर्मा और साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के सचिव डॉ के . श्रीनिवास राव • जागरण

मनु त्यागी • नई दिल्ली

दैनिक जागरण हिंदी बेस्टसेलर की इस साल की पहले तिमाही की सूची मंगलवार को जारी की गई। अपनी भाषा को समृद्ध करने की दैनिक जागरण की मुहिम 'हिंदी हैं हम' के तहत हर तीन महीने पर निश्चित अवधि में सबसे अधिक बिकने वाली पुस्तकों की सूची जारी की जाती है। इस सूची को तय मानदंडों के आधार पर विश्व प्रसिद्ध एजेंसी नीलसन तैयार करती है। जनवरी से मार्च, 2019 की अवधि में सर्वाधिक बिकने वाली पुस्तकों की सूची का अनावरण साहित्य अकादमी के सचिव केएस राव, वरिष्ठ लेखिका क्षमा शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदी की प्रोफेसर कुमुद शर्मा व दैनिक जागरण के कार्यकारी संपादक विष्णु प्रकाश त्रिपाठी ने किया।

इस मौके पर विष्णु प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि बेस्ट सेलर की सूची पाठकों के समक्ष साहित्य का ऐसा दर्पण बनकर आती है, जिससे वह किताब, रचना, लेखक, प्रकाशक सभी से रूबरू होता है। सात करोड़ से अधिक पाठकों के साथ देश का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार दैनिक जागरण हिंदी के प्रति पवित्र व विश्वसनीय भाव से अपने दायित्व का निर्वाह कर रहा है।

साहित्य अकादमी के सचिव केएस राव ने हिंदी बेस्ट सेलर सूची के लिए बधाई देते हुए कहा कि पाठकों के समक्ष यह सूची साहित्य के नए लेखक और नए लेखन दोनों का सृजन है। विशुद्ध रूप से सिर्फ सर्वाधिक बिकने वाली किताब के रूप में चयनित होने वाली इस सूची से पठनीयता और लेखक का सम्मान बढ़ता है। हिंदी के लिए दैनिक जागरण द्वारा किए जा रहे इस अनुकरणीय कार्य का अनुपालन अन्य भाषाओं के मीडिया संस्थानों को भी करना चाहिए। क्षमा शर्मा कहती हैं कि यह सूची वाकई नए लेखकों को अतुलनीय अवसर देती है। आपको याद होगा नौवें दशक में यह मान लिया गया था कि साहित्य खत्म हो रहा है। अब एक बार फिर ऐसे प्रयासों से साहित्य जगह बनाने लगा है। लेखक और किताब की चर्चा हो रही है। प्रोफेसर कुमुद शर्मा ने कहा कि दैनिक जागरण द्वारा बेस्ट सेलर की सूची के रूप में हिंदी के लिए किया जा रहा यह प्रयास भारतीय साहित्य लेखन में प्रतिमान बनेगा। एक तरीके से जो नायक लेखक खत्म हो रहे थे, पाठकों को अब वे दोबारा मिलने लगे हैं। चूंकि यह सूची सर्वाधिक बिकने वाली किताबों को कड़े पैमाने पर कसती भी है, तो ऐसे में बेस्टसेलर पुस्तकें उत्कृष्ट साहित्य भी हो सकती हैं।

इन कसौटी पर बनती हैं बेस्ट सेलर

- पुस्तक का 1 जनवरी 2012 के बाद का पहला संस्करण हो।
- 13 अंकों के वैध आइएसबीएन संख्या के आधार पर ही बिक्री के आंकड़े एकत्र।
- रेलवे स्टेशन, बस अड्डा की पुस्तक दुकानों को इसमें शामिल नहीं किया गया।
- सरकारी खरीद, पुस्तक मेले की बिक्री शामिल नहीं की गई है।
- कॉपी राइट मुक्त पुस्तकों पर विचार नहीं किया गया।
- एक ही आइएसबीएन के अंतर्गत प्रकाशित बॉक्स एडिशन को भी शामिल नहीं किया गया।

1 औघड़

लेखक : नीलोत्पल मृणाल
प्रकाशक : हिंद युग्म
इस उपन्यास में लेखक ने भारत के ग्राम्य जीवन और उसके परिवेश को केंद्र में रखा है। लेखक ने अपनी इस कृति के माध्यम से ग्रामीण जीवन के समय और समाज की परत दर परत पड़ताल की है।

2 डार्क हॉर्स, एक अनकही दास्तां

लेखक : नीलोत्पल मृणाल
प्रकाशक : हिंद युग्म
साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित नीलोत्पल मृणाल के इस चर्चित उपन्यास में सिविल सेवा परीक्षा हिंदी माध्यम से देने वाले छात्रों का संघर्ष सामने आता है।

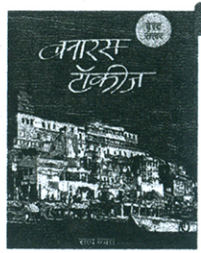

3 बनारस टॉकीज

लेखक : सत्य व्यास
प्रकाशक : हिंद युग्म
यह उपन्यास बीएचयू के हॉस्टल जीवन का रोजनामचा है। इसकी भाषा में वही औघड़पन एवं बनारसपन है, जो वहां के जीवन में है। शैक्षिक जीवन के हर पहलू को समाहित करता यह उपन्यास दिल, दोस्ती और धोखे की कहानी बयान करता है।

4 चौरासी

लेखक : सत्य व्यास
प्रकाशक : हिंद युग्म
सत्य व्यास का यह तीसरा उपन्यास है। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद की हिंसा और सामाजिक उथलपुथल को विषय बनाया गया है। हिंसा के बीच एक प्रेम कहानी पनपती और परवान चढ़ती है।

5 ग्यारहवीं ए के लड़के

लेखक : गौरव सोलंकी
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन
इस कहानी संग्रह में गौरव सोलंकी ने समाज के उस वर्ग को केंद्र में रखा है जिसके बारे में कथा साहित्य में अब तक कम चर्चा हुई है। वो तबका है किशोर। लेखक ने समाज के इस उपेक्षित पात्र को अपनी कहानियों में सधे अंदाज में पेश किया है।

6 अक्टूबर जंक्शन

लेखक : दिव्य प्रकाश दुबे
प्रकाशक : हिंद युग्म
हर आदमी की दो जिंदगी होती है, एक जो वह जी रहा होता है और दूसरी जो जीना चाहता है। अक्टूबर जंक्शन में चित्रा और सुदीप की दूसरी जिंदगी यानी सपनों की जिंदगी की कहानी है। चित्रा सेलेब्रिटी लेखिका है और सुदीप करोड़पति।

7 घर वापसी

लेखक : अजीत भारती
प्रकाशक : हिंद युग्म
यह उन विस्थापितों की कहानी है जो रोजगार की तलाश में महानगरों में तो आ जाते हैं, लेकिन अपने मूल समाज से दूर नहीं हो पाते। पारिवारिक और वैयक्तिक रिश्तों के बीच मुख्य पात्र का करियर को लेकर द्वंद्व और संघर्ष सामने आता है।

8 दिल्ली दरबार

लेखक : सत्यव्यास
प्रकाशक : हिंदयुग्म
यह छोटे शहरों के युवाओं के दिल्ली प्रवास, प्रेम व परेशानियों की प्रहसनात्मक कहानी है। यह कहानी उन लाखों युवाओं के जीवनशैली की भी है जो बेहतर जिंदगी और भविष्य की संभावनाओं के लिए दिल्ली जैसे महानगर का रास्ता लेते हैं।

9 दो लोग

लेखक : गुलजार
प्रकाशक : हार्पर कालिंस
गुलजार का पहला उपन्यास है, जिसका कथानक भारत-पाक बंटवारे की पृष्ठभूमि में चलता है। एक ट्रक में सवार लोगों की मानसिकता को अपनी शैली में पेश किया है। कहानी बंटवारे से लेकर करगिल युद्ध तक की है।

10 जनता स्टोर

लेखक : नवीन चौधरी
प्रकाशक : राधाकृष्ण प्रकाशन फंडा
पिछले वर्षों में छात्र राजनीति व उसके दांवपेच को नवीन चौधरी ने अपने इस उपन्यास का विषय बनाया है। इस उपन्यास में छात्र राजनीति के बीच पनपते प्रेम प्रसंगों को भी लेखक ने रोचक तरीके से उकेरा है।